3

वासुदेव श्रीकृष्ण

प्रस्तुत पाठ में लेखक ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन का परिचय दिया है।

यह द्वापर युग की बात है। भारत की सामाजिक दशा बड़ी शोचनीय हो गई थी। अनेक पापी राजा उत्पन्न हो गए थे। सबसे अधिक अत्याचारी मथुरा का राजा कंस था। उसने अत्याचार की सीमा ही लाँघ दी थी।

कंस ने अपने पिता उग्रसेन, अपनी बहन देवकी और अपने बहनोई वसुदेव को ही कारागार में डाल दिया था।

कुछ वर्षों बाद भाद्रपद मास की कृष्णपक्ष की अष्टमी तिथि को बुधवार का दिन था। ठीक आधी रात को कारागार में ही देवकी के गर्भ से श्रीकृष्ण का जन्म हुआ। कंस बालक कृष्ण को मारना चाहता था। इसी डर से वसुदेव कृष्ण को गोकुल में छोड़ आए। उनका पालन-पोषण गोकुल में यशोदा ने किया। यशोदा नंद की पत्नी थी। नंद, वसुदेव के मित्र थे।

गोकुल में बार-बार राक्षस आते थे, उत्पात करते थे। इसलिए जब श्रीकृष्ण लगभग तीन वर्ष के थे, नंद गोकुल छोड़कर वृंदावन में बस गए।

श्रीकृष्ण ने कंस का वध किया। अपने नाना उग्रसेन को पुनः गद्दी पर बैठाया और अपने माता-पिता को कारागार से छुड़ाया। अनेक दुष्टों का संहार किया। सज्जनों की रक्षा की।

श्रीकृष्ण की शिक्षा-दीक्षा गुरु संदीपन के आश्रम में हुई। सुदामा इनके बड़े प्रिय

मित्र थे। इनमें आपस में धनी-निर्धन का कोई भेद-भाव न था। दोनों बड़े हुए।

सुदामा एक गरीब ब्राह्मण थे। अपनी पत्नी के बार-बार कहने पर वे एक बार श्रीकृष्ण के घर गए। श्रीकृष्ण उन्हें भूले न थे। उन्होंने सुदामा का बड़ा स्वागत किया। अपने हाथों से उनके पैर धोए। सुदामा न जान पाए कि वे निर्धन हैं और श्रीकृष्ण राजा हैं। श्रीकृष्ण ने उन्हें बहुत-सा धन दिया। श्रीकृष्ण के मन में छोटे-बड़े का भेदभाव न था। श्रीकृष्ण और सुदामा की मैत्री सदैव अमर रहेगी।

कौरवों और पांडवों के बीच हुए महाभारत के युद्ध में अर्जुन को श्रीकृष्ण ने गीता का अमर उपदेश दिया। उन्होंने कहा कि आत्मा अजर-अमर है। जिस प्रकार मनुष्य अपने वस्त्रों को त्यागकर नए वस्त्र धारण करता है, उसी प्रकार यह आत्मा जीर्ण शरीरों को छोड़कर नए शरीरों में प्रवेश करती है। इस आत्मा को न शस्त्र काट सकते हैं, न आग जला सकती है, न पानी गला सकता है और न वायु सुखा सकती है। देह नाशवान है, परंतु इसके अंदर जो आत्मा रहती है, वह नाशवान नहीं है, क्योंकि वह तो ब्रह्म है, भगवान है। प्रत्येक मनुष्य को फल की चिंता किए बिना अपने कर्तव्य का पालन करना चाहिए। उसे सफलता और असफलता के प्रति समान भाव रखना चाहिए। श्रीकृष्ण के ये वचन 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' अर्थात् 'तेरा कर्म करने में ही अधिकार है फल में नहीं' अमृतमय है।

श्रीकृष्ण के उपदेश सुनकर अर्जुन को अपने कर्तव्य का ज्ञान हुआ और उन्होंने वीरतापूर्वक युद्ध किया। श्रीकृष्ण उनके रथ के सारथी थे। अतः महाभारत के युद्ध में पांडवों की विजय हुई।

शिक्षा अत्याचारी का सदैव नाश होता है।

शिक्षण-संकेत

- पाठ पढ़ाते समय श्रीकृष्ण की बाल-लीलाओं के विषय में भी बताएँ।
- छात्रों को श्रीकृष्ण द्वारा दिए गए गीता के उपदेशों के विषय में और अधिक जानकारी दें।

शब्द-पोटली

शोचनीय	– जिसकी दशा देखकर दु:ख या चिंता हो			कारागार	– जेल
राक्षस	– दैत्य	संहार	– नाश	अजर	– जो कभी वृद्ध न हो
अमर	– जो कभी न मरे	संघर्ष	– लड़ाई	मैत्री	– मित्रता

अभ्यास

संकलित मूल्यांकन

पाठ बोध

1. इन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक

(क) भारत की दशा कैसी हो गई थी?

(ख) यशोदा किसकी पत्नी थी?

(ग) नंद किसके मित्र थे?

(घ) सुदामा कैसा ब्राह्मण था?

(ङ) महाभारत के युद्ध में किसकी विजय हुई?

लिखित

(क) श्रीकृष्ण का जन्म कब हुआ था?

___

(ख) कंस कौन था? उसने कौन-सा अत्याचार किया था?

___

(ग) श्रीकृष्ण के माता-पिता का क्या नाम था?

___

(घ) सुदामा श्रीकृष्ण के यहाँ क्यों गए थे?

___

(ङ) गीता का अमर उपदेश क्या है?

___

2. खाली स्थान भरो :

(क) श्रीकृष्ण का पालन-पोषण गोकुल में ________ ने किया।

(ख) श्रीकृष्ण की शिक्षा-दीक्षा गुरु ________ के आश्रम में हुई।

(ग) श्रीकृष्ण ने अपने मामा ________ का वध किया।

(घ) श्रीकृष्ण ने अनेक दुष्टों का ________ किया।

(ङ) श्रीकृष्ण के उपदेश सुनकर ________ को अपने कर्तव्य का ज्ञान हुआ।

3. सही कथन के आगे ✓ और गलत के आगे ✗ लगाए :

(क) श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद कृष्णपक्ष की अष्टमी तिथि को हुआ था। ☐

(ख) यशोदा नंद की पत्नी थीं। ☐

(ग) नंद वसुदेव के बड़े भाई थे। ☐

(घ) श्रीकृष्ण अर्जुन के रथ के सारथी थे। ☐

(ङ) महाभारत के युद्ध में कौरवों की विजय हुई। ☐

भाषा बोध

1. नीचे लिखे शब्दों से वाक्य बनाइए :

(क) दशा – ________

(ख) राक्षस – ________

(ग) मित्र – ________

(घ) उपदेश – ________

2. संधि-विच्छेद कीजिए :

अत्याचारी = ________ सदैव = ________

विद्यालय = ________ प्रत्येक = ________

संहार = ________ कर्मण्येव = ________

3. दिए गए वर्ण-समूह के सार्थक शब्द बनाकर लिखिए :

च य शो नी – ________ रा म थु – ________

भा त म र हा – ________ दा सु मा – ________

4. निम्नलिखित उपसर्गों से दो-दो शब्द बनाइए :

अ ______ ______

प्रति ______ ______

सु ______ ______

निर् ______ ______

रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक अभ्यास

- निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध उच्चारण कीजिए तथा लिखिए :

शोचनीय	भाद्रपद	पोषण	दुष्टों
______	______	______	______
वृंदावन	पांडवों	अत्याचार	कर्तव्यों
______	______	______	______

क्रियात्मक कार्य

- जैसे श्रीकृष्ण ने अपने मित्र का साथ दिया, क्या उसी तरह आप भी अपने मित्र का साथ देंगे? इस विषय पर अपने भाव स्पष्ट कीजिए।

बूझो तो जानें

- साल में एक बार आता है, खूब खुशियाँ दे जाता है।

  बच्चे-बूढ़े सभी मनाएँ, यह हमारी उम्र बताए।

उच्च बौद्धिक स्तरीय प्रश्न (HOTS)

- जब सभी लोग जानते हैं कि अत्याचारी का नाश होता है लेकिन फिर भी वे गरीबों पर अत्याचार करते रहते हैं। क्यों?

मूल्यपरक प्रश्न (VBQ)

- आप अपने मित्र के बारे में उसके गुणों की बखान करते हुए तीन-चार वाक्य लिखिए।